आसमान में तो उछालकर देखो... किसकी बॉल कितनी ऊपर

भोपाल. राजधानी भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में इन दिनों चल रहे समर कैंप में बड़ी संख्या में बच्चे, फुटबॉल, वॉलीबॉल सहित अन्य खेलों का प्रशिक्षण ले रहे हैं. शुक्रवार को बच्चों में आसमान में बॉल उछालने की होड़ लगी, जिसमें उन्होंने देखा कि किसने अपनी बॉल कितनी ऊपर उछाली. **फोटो- अशरफ अली**

सेवा से सुख-समृद्धि में होती है वृद्धि

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में संत सिद्ध भाऊ जी ने दृष्टि मित्रों का किया सम्मान

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 मई. संत सिद्ध भाऊजी ने कहा है कि परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी द्वारा स्थापित शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थान धन कमाने के उद्देश्य से नहीं है. ये संस्थान स्वयंसेवकों की सेवाओं और उदार परोपकारी व्यक्तियों के दान से संचालित और वित्तपोषित हैं. उन्होंने कहा कि दृष्टि मित्रों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में नेत्र रोगियों को दी जाने वाली सेवा से उनके जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होगी.

संत सिद्ध भाऊजी शुक्रवार को यहां नवनिर्मित सेवा सदन नेत्र अस्पताल में आयोजित दृष्टि मित्रों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे. समारोह में संत सिद्ध भाऊजी, दानदाता दादा कान.एच. लखानी उनके परिवारजन, ट्रस्टीगण ने भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम्, हरदा, आगर मालवा, शाजापुर, देवास, राजगढ़, छिन्दवाड़ा और बैतूल जिलों के 105 दृष्टि मित्रों को शॉल श्रीफल और प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया. कार्यक्रम में महेश दयारामानी, हीरो ज्ञानचंदानी, रमेश राजानी, ए.सी. साधवानी, तुलसी आडवानी, भगवान दामानी, राजकुमार मूलचंदानी, समाज सेवी भगवान बाबानी, के.एल. लोहाना, थावरदास वरलानी और हीरो केसवानी, अस्पताल निदेशक कुशल धर्मानी, प्रशासक अनुषा तिवारी, कार्यक्रम प्रबंधक मनोज धवाड़िया उपस्थित थे.

हजारों लोगों ने एक साथ पढ़ी हनुमान चालीसा

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार शाम को भजन क्लबिंग के जरिए भक्ति और आधुनिकता का एक ऐसा कोलाज देखने को मिला. इस कार्यक्रम की शुरुआत बाबा महाकाल के जयकारों के साथ हुई. उद्घोषक मोहित शेवानी और उनके हृदय बैंड के 24 कलाकारों ने जब 12 ज्योतिर्लिंगों की पौराणिक यात्रा को लाइव स्टोरी टेलिंग के साथ पिरोया, तो दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित दृश्यों ने कथाओं में जीवंतता भर दी. विशेष रूप से शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग के दौरान प्रकाश और ध्वनि के तालमेल ने आध्यात्मिक माहौल को चरम पर पहुंचा दिया. कार्यक्रम में केवल शिव ही नहीं, बल्कि कृष्ण और राम भक्ति की भी अनूठी बयार बही. कलाकारों ने जब दुनिया चले ना श्रीराम के बिना जैसे भजनों की प्रस्तुति दी, तो माहौल भक्तिमय हो गया.

एक नजर में

भेल में अत्याधुनिक ऑटो टेपिंग मशीन का शुभारंभ

भोपाल, 8 मई. (बीएचईएल संवाददाता). भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) की भोपाल इकाई ने तकनीकी आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कॉइल एवं इंसुलेशन विनिर्माण (सीआईएम) डिवीजन में अत्याधुनिक 'ऑटो टेपिंग मशीन' का शुभारंभ किया. इस नई सुविधा का उद्घाटन प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया. इस अवसर पर रुपेश तेलंग, आशीष औरंगाबादकर, संतोष डोंगरे तथा प्रीति गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. अधिकारियों के अनुसार, नई मशीन के संचालन से उत्पादन प्रक्रियाओं में अधिक सटीकता आएगी, गुणवत्ता में सुधार होगा तथा ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ेगी. इसके साथ ही सीआईएम डिवीजन की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है. बीएचईएल प्रबंधन ने कहा कि यह पहल संस्थान की तकनीकी उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता तथा औद्योगिक विकास में योगदान देने के संकल्प को दर्शाती है.

एम्स में मॉकड्रिल, अग्नि सुरक्षा इंतजाम परखे

भोपाल, 8 मई. (नवभारत न्यूज). एम्स भोपाल में 4 से 10 मई तक अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन राष्ट्रीय पहल के तहत किया जा रहा है, जिसकी थीम 'सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज' है. इसके तहत एम्स भोपाल में व्यापक प्रशिक्षण सत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए. भोपाल नगर निगम के फायर कंसल्टेंट एवं कंट्रोल रूम इंचार्ज शक्ति सिंह द्वारा स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के मूल सिद्धांत और अग्निशामक उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया. आईपीडी क्षेत्र में फायर स्प्रिंकलर सिस्टम का लाइव प्रदर्शन तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सतत जागरूकता सुनिश्चित की गई. ओपीडी क्षेत्र में मॉक ड्रिल के दौरान कर्मचारियों और आम जनता को अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिला. फायर ब्रिगेड प्रतिक्रिया और फायर हाइड्रेंट प्रणाली का प्रदर्शन कर प्रभावी अग्नि नियंत्रण उपायों को समझाया गया. प्राइवेट वार्ड में मरीजों की सुरक्षित निकासी का अभ्यास किया गया तथा 'कोड रेड' प्रोटोकॉल का पालन किया गया. वेबिनार और ट्रॉमा ओटी प्रशिक्षण के माध्यम से क्रिटिकल केयर क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया. कार्यक्रम के दौरान डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ (नोडल अधिकारी, अग्नि सुरक्षा), डॉ. शीतल कोटगिरवार (सह-अध्यक्ष, सुरक्षा समिति), डॉ. लक्ष्मी प्रसाद, प्रमुख (क्वालिटी सेल) तथा अमित सिंह तोमर (जूनियर इंजीनियर) एवं प्रभारी अग्नि सुरक्षा विभाग उपस्थित रहे.

91 वर्षीय महिला ने देहदान का लिया संकल्प

भोपाल, 8 मई. भोपाल की 91 वर्षीय अमृत कौर ने एम्स भोपाल में मिले उत्कृष्ट उपचार से प्रभावित होकर मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया. उन्होंने मार्च 2025 से फरवरी 2026 के बीच ऑर्थोपेडिक्स विभाग में प्रो. (डॉ.) रेहान-उल-हक के मार्गदर्शन में घुटने की तीन सफल सर्जरी करवाईं. 4 मई को लिखे पत्र में उन्होंने डॉक्टरों और टीम की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की सराहना की. उन्होंने एम्स भोपाल के अनुशासन, स्वच्छता और सभी कर्मचारियों के सहयोगपूर्ण व्यवहार की भी प्रशंसा की. उन्होंने भारत सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया.

बीएचईएल में अनुवाद प्रशिक्षण का समापन

भोपाल, 8 मई. बीएचईएल, भोपाल में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग के उद्देश्य से आयोजित पांच दिनी गहन अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया. समापन सत्र की अध्यक्षता महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी.यू. सिंह ने की. इस अवसर पर केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो से आए सहायक निदेशक मोहन चंद्र बहुगुणा एवं गौतम शर्मा, प्रबंधक (राजभाषा) पूनम साहू मौजूद रहे. अपने संबोधन में टी.यू. सिंह ने कर्मचारियों से अपील की कि वे ई-मेल, ई-ऑफिस और अन्य कार्यालयीन कार्यों सहित सभी आधिकारिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें.

शिशु मृत्यु दर कम करने दिया प्रशिक्षण

जीएमसी में प्रशिक्षण में 35 डॉक्टर हुए शामिल

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 मई. राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज के बाल्य एवं शिशु रोग विभाग में नवजात शिशुओं की सुरक्षा के लिए शुक्रवार को एक विशेष पहल की गई. जिसके तहत जन्म के समय गंभीर स्थिति से जूझने वाले बच्चों को जीवन रक्षक प्रणाली उपलब्ध कराने की बारीकियां सिखाने के लिए एडवांस नियोनेटल प्रोवाइडर कोर्स का आयोजन किया गया.

जिसमें प्रदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के 35 डॉक्टरों ने हिस्सा लिया और आपातकालीन स्थितियों को संभालने का अभ्यास किया. कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डीन डॉ कविता एन सिंह ने नवजात शिशुओं को मिलने वाले तत्काल उपचार के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि समय पर मिली सही चिकित्सा ही शिशु मृत्यु दर को कम करने में सबसे प्रभावी हथियार है. डॉ सिंह ने स्नातकोत्तर छात्रों के कौशल विकास को प्राथमिकता देने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से डॉक्टरों के आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है. कार्यशाला में बाल्य एवं शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ प्रोफेसर मंजूषा गोयल ने प्रशिक्षण ले रहे डॉक्टरों से सीधा संवाद किया. उन्होंने प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ पर जोर देते हुये इसे अस्पतालों में मरीजों के इलाज के दौरान पूरी निष्ठा से लागू करने की बात कही.

देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने दी ट्रेनिंग

इस कोर्स को सफल बनाने के लिए देशभर से विशेषज्ञ प्रशिक्षक भोपाल पहुंचे. इनमें लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज दिल्ली से डॉ प्रतिमा आनंद और एम्स भोपाल से डॉ महेश माहेश्वरी ने अपनी सेवाएं दीं. साथ ही जीएमसी भोपाल की डॉ पूर्वा गोहिया और सागर एसएम हॉस्पिटल से डॉ महेंद्र जैन ने प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया.

भाभा विवि में पर्सनालिटी इम्प्रूवमेंट पर हुई वर्कशॉप

कृषि संकाय विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुति

भोपाल, 8 मई. भाभा विश्वविद्यालय में विगत दिवस पर्सनालिटी इम्प्रूवमेंट पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें नागपुर से आई एक्सपर्ट नेहा जयसवाल ने सहज तरीके से पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के तरीके बताए. इस मौके पर आरकेडीफ़ ग्रुप की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर रुचि कपूर भी उपस्थित थीं.

भाभा विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन दिया. छात्र-छात्राओं ने कई तरह के इनोवेटिव आईडियाज को मॉडल और प्रोडक्ट के जरिए सभी के सामने प्रस्तुत किया, जिसमें प्रमुख रूप से राख से बना डिशवॉश जेल सभी के आकर्षण का बिंदु रहा. साथ ही नीम से बना हुआ हैंडवॉश और मैंगो का जेम, कई तरह के वर्किंग मॉडल जैसे की हाइड्रोपोनिक फार्मिंग ,सोलर पैनल के जरिए सिंचाई, मिक्स्ड क्रॉपिंग डिफरेंट टाइप्स ऑफ़ ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देते हुए बच्चों ने मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया. यह शानदार प्रस्तुति की डॉक्टर रुचि ने सराहना की. साथ ही विश्वविद्यालय के सीईओ प्रसाद पिल्लई, प्रो. वी.सी डॉक्टर भारती सतनकर, रजिस्ट्रार डॉ. श्याम पाटकर ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम कृषि संकाय के डीन डॉ. उत्तम सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में संचालित किया गया.

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सम्पन्न

भाभा यूनिवर्सिटी के क्लब 'अभिव्यक्ति' द्वारा आयोजित दो दिनी व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का समापन गुरुवार को हुआ. इस कार्यशाला में प्रसिद्ध व्यक्तित्व विकास कोच नेहा जयसवाल ने रिसोर्स पर्सन के रूप में सहभागिता की. वे नागपुर से विशेष रूप से विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए भोपाल आमंत्रित की गई थीं. कार्यशाला के प्रथम दिवस विद्यार्थियों को संवाद शैली, सफलता के लिए उपयुक्त बॉडी लैंग्वेज एवं सोशल मीडिया एटीकेट्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया. दूसरे दिन छात्रों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं उनकी सफलता में शिक्षकों की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की गई.

मयंक अकादमी की 360 रन से रिकॉर्ड जीत

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 8 मई. 14वीं स्व. अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में मयंक क्रिकेट अकादमी ने अकीरा क्रिकेट अकादमी को 360 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मयंक क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित ओवरों में 404 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. टीम की ओर से प्रारब्ध मिश्रा ने 86, अरबाजुद्दीन ने 76, देवांश यादववंशी ने 64 और आयुष ने 42 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. अकीरा क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्यन शर्मा ने तीन विकेट हासिल किए, जबकि पीयूष राज सक्सेना और कार्तिकेय को दो-दो विकेट की सफलता मिली. विशाल लक्ष्य के जवाब में अकीरा अकादमी की पूरी टीम मात्र 44 रन पर सिमट गई.

टीम की ओर से केवल कार्तिकेय ही 13 रन बना पाए, बाकी खिलाड़ी 10 का आंकड़ा भी नहीं छू पाए.

ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्रारब्ध को अंतरराष्ट्रीय कॉमेंटेटर दामोदर प्रसाद आर्य की ओर से मैन ऑफ द मैच चुना गया.

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर उत्कृष्ट सेवा करने वालों का सम्मान

भोपाल , 8 मई. (नवभारत न्यूज). विश्व रेडक्रॉस दिवस पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, मप्र राज्य शाखा द्वारा मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान भवन, नेहरू नगर भोपाल में 'उत्कृष्ट सेवा कार्य सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया. इसमें रेडक्रॉस की विभिन्न जिला इकाइयों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े उन प्रतिनिधियों को सम्मानित किया, जिन्होंने मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल और विशिष्ट अतिथि संस्कृति जैन, आयुक्त नगर निगम थीं.

राजधानी भोपाल में बास्केटबॉल का उत्सव

भोपाल 8 मई. (खेल प्रतिनिधि). राजधानी के आगा क्लब में शुक्रवार से तीन दिवसीय 'इंटर स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट-2026' का आगाज़ हुआ. उद्घाटन समारोह खेल भावना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खिलाड़ियों के उत्साह से परिपूर्ण नजर आया. प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों की 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें 10 बॉयज और 10 गर्ल्स टीमें शामिल हैं. मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जा रहे हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 10 मई को होगा. सभी मैच प्रतिदिन शाम 6 बजे से आयोजित किए जा रहे हैं. टूर्नामेंट का शुभारंभ बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय और आगा क्लब के अध्यक्ष विपुल अग्रवाल ने ट्रॉफी अनावरण के साथ किया. इस अवसर पर कलांजलि ग्रुप की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम ने समारोह को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की.

मध्य प्रदेश के 333 यात्री हज के लिए रवाना

भोपाल, 8 मई. हज के लिए मध्य प्रदेश के 333 यात्री शुक्रवार को मुंबई, दिल्ली एयरपोर्ट से विभिन्न फ्लाइट से रवाना हुए. इनमें 14 हज यात्री भोपाल के शामिल हैं. राज्य हज कमेटी के मुताबिक शुक्रवार को मुंबई से अलग- अलग फ्लाइट से 299 हज यात्री रवाना हुए, इनमें छह यात्री भोपाल के हैं. दिल्ली एयरपोर्ट से दो फ्लाइट से 34 हज यात्री रवाना हुए, इनमें भोपाल के 8 हजयात्री शामिल हैं.

हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल पूरे | प्रणाम उदन्त मार्तण्ड समारोह में अयोध्या के आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण ने कहा-

हम डॉक्टर- इंजीनियर बना रहे, लेकिन मनुष्य बनाने में कमजोर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 मई. पत्रकार कोई ज्योतिषी या केवल शव-परीक्षण करने वाला डॉक्टर नहीं है. वह समाज की नाड़ी पहचानने वाला एक निष्प्रिय और तत्वज्ञ वैद्य है. यह बात अयोध्या के प्रख्यात विद्वान आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण ने भोपाल के भारत भवन में आयोजित 'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' समारोह में कही.

उन्होंने पत्रकारिता और समाज के अंतर्संबंधों पर गहरा प्रकाश डालते हुये कहा कि समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रणेता पंडित युगलकिशोर शुक्ल ने 200 वर्ष पूर्व ही हिंदुस्तानियों के हित के हेत लिखकर इस क्षेत्र का शाश्वत नैरेटिव निर्धारित कर दिया था. बता दें तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 साल पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को किया गया. कार्यक्रम में सामाजिक मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए आचार्य ने कहा कि आज हम डॉक्टर और इंजीनियर तो बना रहे हैं, लेकिन मनुष्य बनाने वाले संस्थान यानी 'परिवार' कमजोर हो रहे हैं. उन्होंने बाजारवाद का प्रभाव पर बात रखते हुये कहा कि हमने खुद को सीखने के बजाय बाजार में 'बेचने' के लिए तैयार किया है, जिससे आपसी विश्वास और संवाद घट रहा है. कार्यक्रम में डिजिटल युग में टीवी पत्रकारिता की चुनौतियों पर मंथन के साथ विद्यार्थियों द्वारा तैयार 'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड', 'अभ्युदय' और 'पहल' जैसे प्रयोगात्मक समाचार पत्रों और 'माखन के लाल' व 'कार्टून कथा' जैसी पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया.

नेशन फर्स्ट विचारधारा से ऊपर राष्ट्र

कार्यक्रम में पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर ने वर्तमान ध्रुवीकरण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज पत्रकारों को लेफ्ट या राइट की विचारधारा के बजाय नेशन फर्स्ट' के सिद्धांत पर अडिग रहना चाहिए. वहीं, डॉ. सी. जयशंकर बाबू ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि हिंदी पत्रकारिता की जड़ें दक्षिण भारत और गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में भी उत्तर भारत जितनी ही गहरी हैं.

सूरज शर्मा ने जीता एक स्वर्ण, दो रजत

राष्ट्रीय शूटिंग में दमदार प्रदर्शन

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 8 मई. सात साल की उम्र में पिता को सीमा पर खो देने वाले ग्वालियर के सूरज शर्मा आज देश के लिए निशाना साध रहे हैं. मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के होनहार निशानेबाज सूरज ने नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए हैं.

सूरज का चयन अब भारतीय टीम में भी हो गया है और वह आगामी वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जर्मनी जाएंगे. नईदिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सूरज ने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल यूथ मेन वर्ग में 581 अंकों से स्वर्ण पदक व 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल मेन और जूनियर मेन वर्ग में 581अंक हासिल कर रजत पदक जीता.

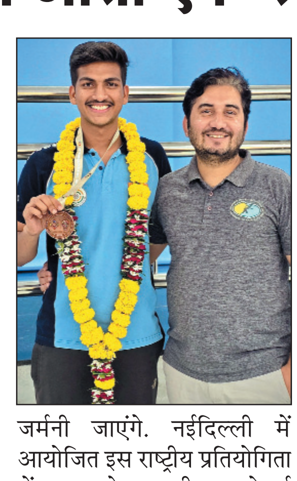

मां और चाचा ने किया पालन पोषण

सूरज जब सात साल के थे, तब उनके पिता का सीमा पर ड्यूटी के दौरान गोली लगने से निधन हो गया था. मां और चाचा ने उनका पालन-पोषण किया. ग्वालियर के एक शूटिंग क्लब से शुरुआत करने वाले सूरज को मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के टैलेंट सर्च कार्यक्रम में चयनित किया गया था. पिछले 3 वर्षों से वह भोपाल में रहकर प्रशिक्षण ले रहे हैं. कोच ने यह भी बताया कि सूरज फिलहाल भारतीय टीम के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं और आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे.